

41
 29/18
 17/10
 15/9
 6/11
 18/12
 9/2/16
 22/4/16
 10/9/16
 31/10/16
 25/11/16
 8/12/17
 17/2/18
 17/3/18
 21/4
 21
 2

तारीख
 हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जग

21.6.19

वकील जगदी उपदिष्टा | विजय
 वकील उपदिष्टा | जगदीना फा जगदीना
 हेतु एक अतिरिक्त क्वॉटर डिवा
 जाकर पत्रावली वाले - जगदीना फा
 एकादश हेतु 04.06.28.6.119 को
 पेश की

उपदिष्टा जगदीना
 सिद्ध (बकल)

28.6.19

पत्रावली जाप पेश हुई। साथ फिदासीन
 अधिकारी महोदय द्वारा कार्य में रतल
 है। फलतया होकर पत्रावली दिनांक 12.7.19
 को पेश है।

12.7.19

वकील जगदी उपदिष्टा | वकील विजय
 अनुपदिष्टा | वकील विजय के हाकीर
 गरी होने पर जगदीना बंमवाही काल में
 जाते जाती है वकील जगदी फा
 एकपक्षीय बहाना सुनी गयी। वेरति
 बहाना कथन किया कि वाडीनी की
 कोर के माननीय जमापालक ने
 एक बाधापत्र वाड क्वॉटर वांड
 88, 188 RT 04 के तहत पेश
 किया जाया जा। जो माननीय
 जमापालक में विचारण के दौरान
 किया गयी 01.2.2016 को

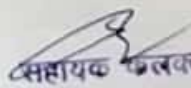
सहायक कलक्टर
 (SDO) सिवाना

मुकदमे का कीवका के उहाकीर
 होने के बाद वाडीनी
 क्वॉटर वाली क क्वॉटर वाडीनी
 खवाडीनी क्वॉटर क्वॉटर वाडीनी
 जात करी को कोर की
 फा पेश को कोर की
 मुकदमा नार पारामिक
 क्वॉटर वाड के
 क्वॉटर क्वॉटर
 क्वॉटर क्वॉटर
 क्वॉटर क्वॉटर

95/12

मुकदमा का फैसला के उद्देश्य से
मेरे के द्वारा वादीगण का वर
किस प्रकार व कउन साक्षी ने
स्वार्थित किया था। वादीगण को
जासूसी में काने ही उक्त उद्देश्य
पर पैसा दिया था। जो साक्षी का
मूल नाद पारामित्य स्टेज के स्वार्थित
किये जाते के कउन न्यायिक ने
एक सुनवाई का कउन उद्देश्य
करते हुए उक्त साक्षी का कउन व
स्वीकार किया जावे।

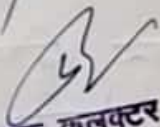
काने नवीन उक्त की वर
उ मन्त्र किया और मूल वर उक्त
कांका 29/2013 कावली का अवलोकन
किया। किसे पता, कि वादीगण
की कउन के एक साफल्य वाद कउन
का 88, 188 र 184 के उक्त विवादित
काने में स्वार्थित योजना व कउन
निष्पत्ति उक्त काने का पैसा किया
गया। जो न्यायालय में उक्त के
पत्र पर विचारणीय रूप ला थी।
कि किसे पैसा नवीन 01.2.2016
को वादीगण का कउन के न्यायालय
में साक्षी नहीं होने पर कउन पैसा
व कउन साक्षी ने स्वार्थित किया
गया। वादीगण का वाद पारामित्य स्टेज


सहायक कमिश्नर
(SDO) सिवाना

पर स्वार्थिक किया गया है और काउ
 की वकील क्वॉलिफिकेशन का वकीलता
 की अनुपस्थिति में स्वार्थिक दुर्मा भी।
 जो वकीलता हबिा की गई गलती
 पावनीगण पर कोपी नहीं जा सकती है
 एक श्राप का प्राकृतिक लीडर है,
 कि (कम) का निरन्तर गुणावगुण
 पर किया जात था, न ही
 तकनीकी कक्ष पर। ऐसी श्रुति में
 पावनी- का आदेश स्वीकार प्रोग्राम है।

विहाया पावनी का आदेश
 स्वीकार किया जाकर मूलवाद संख्या
 29/2013 अन्वय सुगत क्वॉलिफिकेशन
 उच्चतम नैगरा में पारित काउंश दिनांक
 01.2.2016 को निरस्त किया गया
 है और मूलवाद को पुनः अन्वय
 किये जाने के आदेश पारित किये
 जाते हैं काउंश सुगत गमा।

पत्रावली केवल सुगत होकर
 आरखिल इपन्न हो।


 सहायक कलेक्टर
 (SDO) सिवान

श्रीमान सा. सिवा
 सेवा में,
 राजस्व मूल वाद 29/2013
 तारीख फसला 1.02.2016
 वादी :- सुगत क्वॉलिफिकेशन
 माच्यवरी,
 से निम्न प्रक
 1.
 9/10/16
 with file

